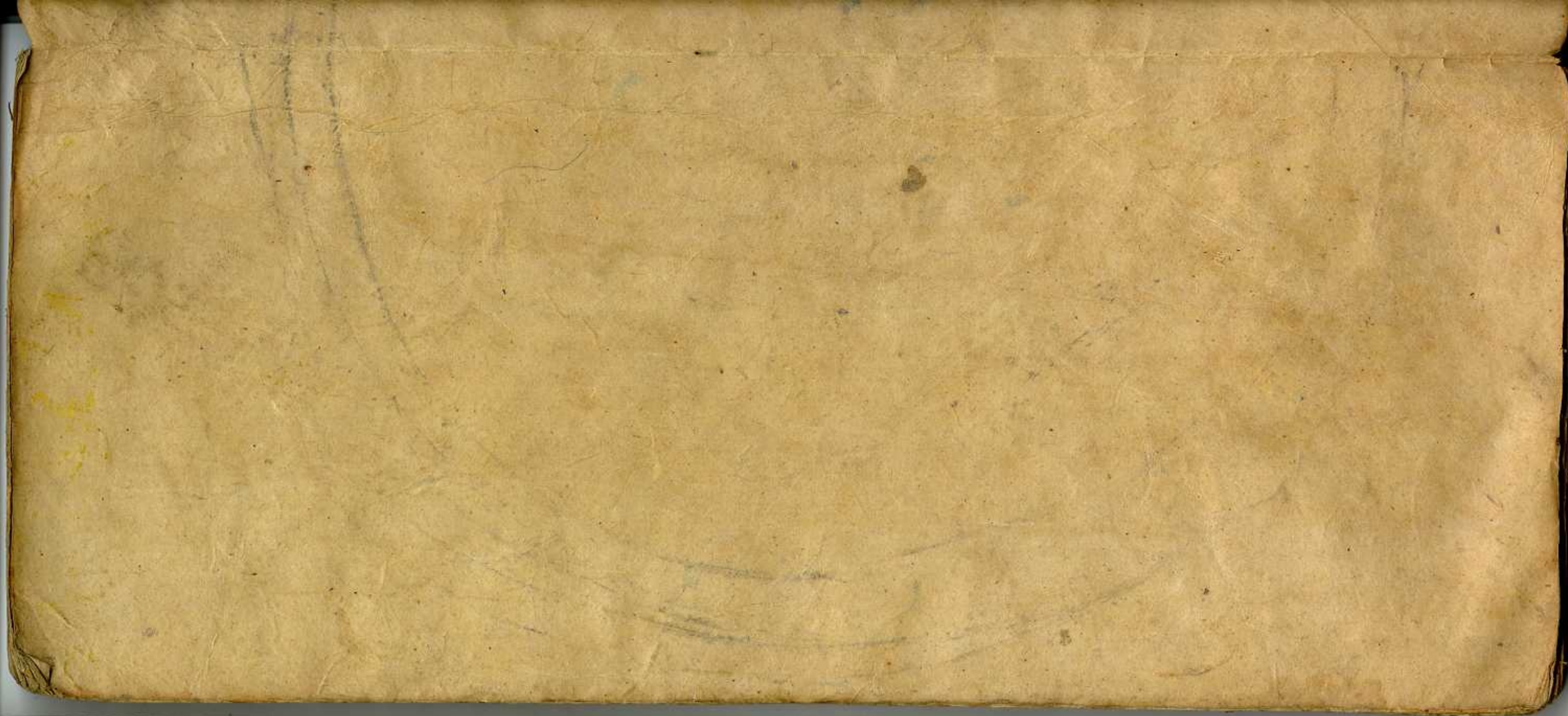


हस्ताचार्यडागमुनः

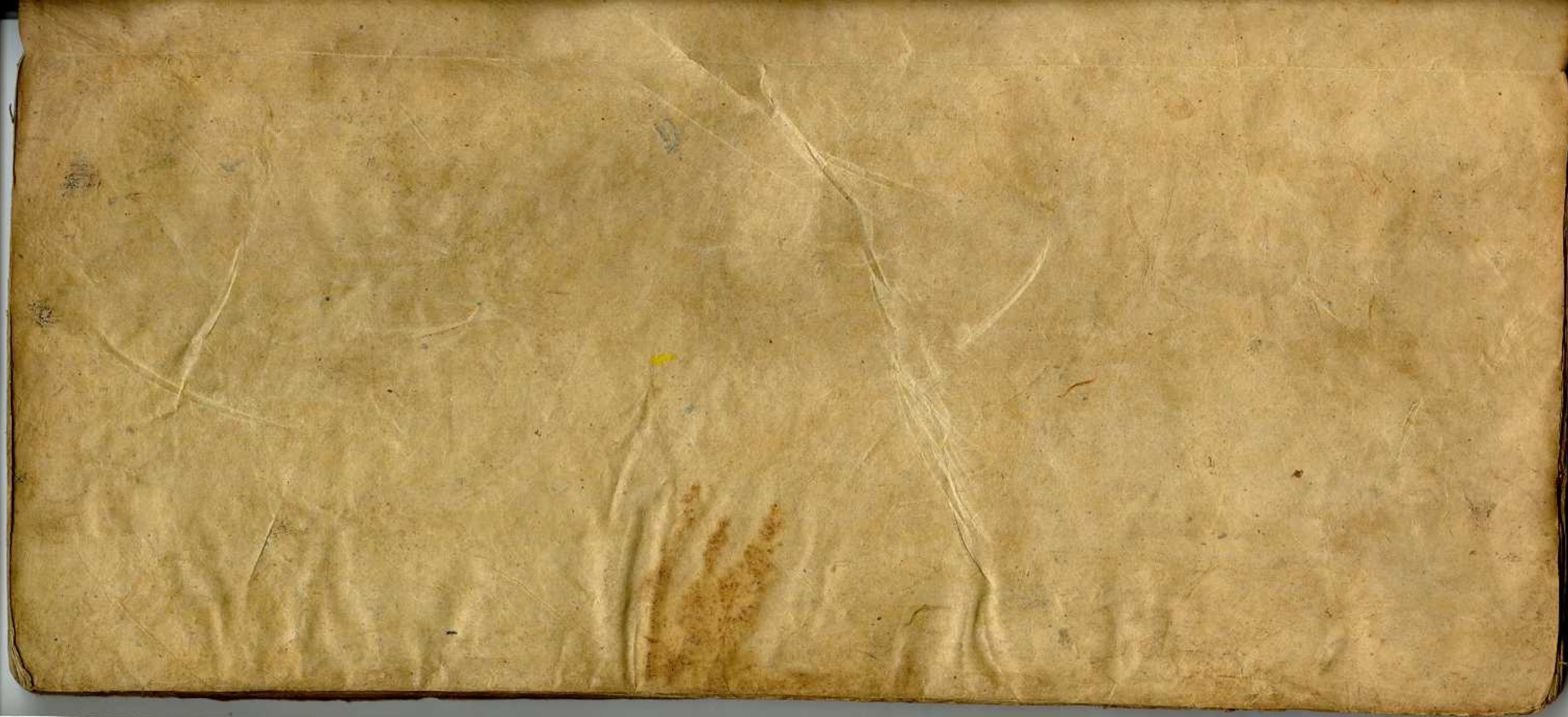
२३ नमः श्रीगुरुवर्जसत्वाय ॥ वज्रसत्त्ववाच ॥ नित्रंजननिवाकाय भूय भूय मही भूय निलान्व
 निलाकवज्रमूर्तिरुक्तानहियथीवी ॥ समवज्रसत्रीत्रेकमिताष्टीषस्वर्गमययागालयादस्थायते उदयकुमर
 मण्डलं ॥ ओंकारं जगत्तुं देवीयुक्तायात्रमिताष्टीषवज्रसत्त्ववज्रीयायद्यक्षयुक्तायात्रमिताष्टीष ॥ देवीवनमिताष्टी
 ववाममवज्रमिताष्टीषवज्रसत्त्ववज्रीयायद्यक्षयुक्तायात्रमिताष्टीष ॥ ४ ॥ ललाटे देवीवनमिताष्टीषवज्रसत्त्ववज्रीयायद्यक्षयुक्तायात्रमिताष्टीष
 सवज्रमिताष्टीषवज्रसत्त्ववज्रीयायद्यक्षयुक्तायात्रमिताष्टीष ॥ ५ ॥ देवीवनमिताष्टीषवज्रसत्त्ववज्रीयायद्यक्षयुक्तायात्रमिताष्टीष
 ॥ ५ ॥

आशा सर कथि
 3754
 ASHA ARCHIVES









१ॐ नमः श्री सूर्याय ॥ अथ लिख्याय लिख्य ॥ यद्यसूर्यजदावदः पुनर्कद्वगमाह्व
॥ एकवर्षननागनाः वियुल्लंभीलाहक ॥ ॥ यद्यमसज्जदित्यः वदरुनसानां वान
साः हर्ताः कद्वसुवृहस्यमिवानसाः धम्ममनूयः दं १६ वलसः लक्ष्मीवाटलपिडा ॥ १ ॥
लग्नस्य नगुनगुक्तः मकादगुक्तलक्ष्मी ॥ वदुथवर्षयागनः जूनलाहर्नसंयमे ॥ ॥
लग्नसः वृहस्यमिः गुक्तवानसाः एकादसे मे कुलग्रहवानसा वर्य ३ नाना नललाहद
दयिव ॥ २ ॥ हामाकदगमं चैवः द्वितीयवृधसामया ॥ सकवर्षरुवकस्यः रु
मिलारुनसंयमे ॥ ॥ जंगलज्जदित्यः दगमसुवानसाः द्वितीयसंवधगं वद

वचनसावर्ष १ ह्रीं लाला हृदयिडाः शस्यममाल ॥ ३ ॥ मकादशानी नाइः गुनैर्वेव उ
सकर्मदशमशुभादावर्ष वैकुला हृदयनं जय ॥ ॥ एकादशसः शनिश्चनः नाइवनसाः ह
नैः सुकर्मसुवृहस्य निवनसाः धर्मं जिदं इवलसः वकुला हृदयनला हृदयिव ॥ ७ ॥ मेक
दशानी नाइः गुनैर्वेव उ सकर्म ॥ एकादश हृदयः श्रीलाला हृदयवागमै ॥ ॥ एकाद
शसः शनिश्चनः नाइवनसाः सुकर्मसुवृहस्य निवनसाः वर्ष १३ श्रीलाला हृदयनला हृदय ॥
॥ १ ॥ गुनैर्लाला हृदयसुकर्मः हृदयानी नाइ ॥ एकादश हृदयः नागयुगा हृदयनि ॥ ॥
लाला हृदयनिः सुकर्मसुवृहस्य हृदयसः शनिश्चननाइः धृत्वनसाः वर्ष ११ नागयुगा हृदय

यनिव॥ ७ ॥ ननु स्य नरदा वृद्ध च उथ गभीरा र्जवा विगवर्ष ह वेया गमः यशुलारु न गं सय
॥ ॥ नम सवृद्ध च उथ सवृद्ध वः शुक्र वनाय वी न सा वर्य २० यशुलारु दयिव ॥ ७ ॥ ल न
स्य नरदा शुक्रः सय मगु न सा मया ॥ च उ विग ह वे व र्ष कं चार्थ य प्र लारु कं ॥ ॥ नम
सः शुक्रः सय मसः वृहस्य नि च दु व न सा वर्य २४ कया लारुः य प्र लारु धन लारु दयिव ॥
॥ ८ ॥ दश मध्व नरदा जीवः सय मगभी वृद्ध या ॥ अष्ट विग ह वे व र्षः गृह लारु न गं सय ॥
दश मस वृहस्य नि सय मस वृद्ध व च दु व नाय वी न सा वर्य २४ गृह लारु दयिव ॥ ९ ॥ य
ष्ट नाद्र गनी यकः दृणी यकः उ म व च । क नु स्य नरदा जीवः गी ग व र्ष धन र्जय ॥ ॥ य

रुमसनाइः भनि धनवानसा रुनीयसक उवानसा कहुसः बृहस्पतिवनसा वर्ष ३० धनलाह
दयिव ॥ १० ॥ रुनीययूनविहामः गुनश्चलग्नहृग्धरः। वउनीगहववर्षः मीलाह धनभव
च ॥ ॥ रुनीयसः आदिशः अंगलवनसाः बृहस्पतिर्नः लग्नसवनमेव वर्ष ३७ मीलाह
धनलाह दयिव ॥ ११ ॥ रुगुकु रुनीयधः धनस्तु नवहस्पतिः। अरुनीगहववर्षः भक्रना
भिसर्वहवर्षः ॥ ॥ रुनीयसगुकः कहुवानसा द्विनीयसः बृहस्पतिवनसाः वर्ष ३८
भक्रनागगुरुहृयिव ॥ १२ ॥ लग्नश्च वद्वचउर्थमः। कीः सयवधदुशमचगुकः चालिभ
वर्षधनलाह मीलाह भक्रनाभनी ॥ ॥ लग्नश्च वद्वचवानसा वउर्थस बृहस्पतिवानसाः स

कमसुवधः दशमसुशुक्लवनसाः वर्ष ३० धनलाहरीलाहरी फनासुशुचिव ॥ १३ ॥ भिकाद
शुद्धाहमः यदुमधनविवधः। चोवानीगतरववधः यदुलाहरीगुदीहवगु ॥ ॥ जगल
प्रकादशसुवनसाः यदुमसुशुदियः वधवनसावर्ष ३३ यदुलाहरीसुदयिव ॥ १४ ॥
धर्मलानशुक्लामः कदलानवहस्यनि। द्वालिगतरववधः रुमिदहवलाहरी ॥ ॥
नवमसुशुक्लजगलवनसाकदसुवहस्यनिवनसावर्ष ३६ गहलावहमिलाहरीदयिव
॥ १५ ॥ लमलानगुशुक्लरुदीयहाममदया ॥ अथवानिगवधलानाजयकावदुवनी ॥
लमसुवहस्यनिशुक्लवनसाः रुमियसुजगलनिधनवनसाः वर्ष ३८ नाजमान्यद

यिव ॥ १३ ॥ यक्ष मन्त्र गुचदुदगमन विवृधया ॥ यक्ष मन्त्र यथा गय प्रयाग सुखं हव
तु ॥ ॥ यक्ष मन्त्र गुच वचदुवनाय वानसा दशम सुजादिय ववृध वचानसा ववर्ष ॥
यक्षानं यक्षलाह दयि ॥ सुख सुख हि दय ॥ १७ ॥ ॐ निदाक मन्त्रा विनाया लिखाये
धं प्रथम ॥ ॐ ॥ लग्न मन्त्र जीव वृध मन्त्र मन्त्र दशम मन्त्र गुच ववृध गच्छे म्नि मर्थ यक्षलाह
युक्तं मन्त्र यक्ष मन्त्र ववर्ष हव ॥ ॥ लग्न मन्त्र वृहस्य निवनसाः सफ मन्त्र वृध दशम मन्त्र गुच
वनसा जूध मन्त्र मन्त्र लवनसा ववर्ष ॥ १ मी लाभ वनलाह यक्षलाह दयिव ॥ १८ ॥ लग्न मन्त्र
वृध मन्त्र मन्त्र मन्त्र वृहस्य नि। कर्म लु ने नदाहामः द्वि यक्ष मन्त्र मन्त्र मन्त्र ॥ ॥ लग्न मन्त्र

वृधचन्द्रवनसाहनीयसुवृहस्यनिदगमगर्जगलवनसावर्षगुलुकिवियूननलाहृदयव
॥१८॥षष्ठजृष्टगनीसूर्यजायम्भद्वृहस्यनि।हृयकसगवेरुवर्षहागथकाक्कनरुवन॥
षष्ठमसजृष्टमसजादित्यगनिधनवनसाएकादशसुवृहस्यनिचन्द्रवनसावर्षगुलुहागेदये
सुवर्णलाहृदयव२० ॥व्ययस्यनेवृधगुजःकस्मल्लुगुनसुहृनी।चउयकसगवर्षसःमिजार्थ
जगनिहवर्ण॥ ॥द्वादसुगुजगर्जगलवनसालगसुवृहस्यनिवनसावर्षगुलुमिप्रला
हृधनलाहृगनिवधुदयिव॥ ॥वृधचन्द्रगगायकगनीकंडुवयष्टम।यक्यकसगवर्ष
सःरुमीत्येवमुलाकेह॥२१॥यकससुवृधचन्द्रवनायवानसाषष्ठमसगनिधनःकड

वानसावर्षगगहमीलाहृदय॥२२॥ वष्टमशनीभनाथकुजमन्दचतुर्थका। वष्टिवर्षहृव
वःवनजलाहृविष्यनि॥ ॥ वष्टमसुचदचतुर्थसर्जगलगनिधनवनसावर्ष५० व
नजलाहृदय॥ २३ ॥ लग्नमन्त्रीधनचन्द्रः प्रिकससुवधसुथा। द्विगधीचहृववधनाश
युगाधनाधिय॥ ॥ लग्नसःवृहस्यगिवनसाद्विगियसुचन्द्रः प्रिकससुवधवनसावर्ष
५२ नाशमान्यधनधनरुयव॥ २४ ॥ मकादहागनीनादः कुजमर्कनियसुथा। चउसुधी
हृववर्षकार्जसिद्धिवदसुखी॥ ॥ प्रकादगसुगनिधननादवनसावष्टमसर्जगल
जगलजादिसुवनसावर्ष५५ यादा२कार्यसिद्धिसुखरुयि॥ २५ ॥ हेसेरुधहृवम

कीचउर्थेहामशुकयाशहृववर्षहृववेवधनयुग्मवलाहकं॥ ॥रुनीयसुवृहस्यनिवन
साचउर्थेसर्जगलशुकवनसावर्ष७०धनलाहयुगलाहदयिव॥२३॥शुर्कलोनीआ
यल्लनगुनशुकसुनसुथा।यकेहृहृववर्षःवमूलकानलाहकं॥ ॥एकादशसुआ
दियेगनिधनवनसाःलग्नसवृहस्यनिशुकवानसावर्ष१५वमूलकानलाहदयव
॥२१॥मन्दलोनीकथाःयकेसुकमहृगुमहिर्नीआशावर्षहृववेवहृयमहीषलाह
कं॥ ॥यकेसुगनिधनवनसासुकमसवृहस्यनिशुकवनसावर्ष८०सुठःमसला
हदयुडा॥२४॥लघ्नशुकसुमन्तीसुयचन्द्रदगवर्षःयकेनासिहृववर्षवियूलवन

लाहक॥ ॥ लुगसुशुक्रवडुर्थसुवृहस्यनिवनसासुकमसुचउववधवनायचानसा
 वर्यदगधनवियूलनलाहदयव॥ २९॥ सुकमश्रुदाजीवयायमकादगसुथा। नवीवर्यहव
 श्वेवःगश्वलाहृगुमसुथा॥ ॥ सुकमसुवृहस्यनियायग्रहदाक्रीयकादसुसुचानसावर्य॥
 ग।श्वलाहृगुमलाहृदयिव॥ ३०॥ गुनूलुग्नवहृगुयथायश्चिकृष्टगगा। यकनवीहव
 वर्यःविद्यालाहृसुमानसी॥ ॥ वृहस्यनिनलुगसुखनसाःप्रिकृष्टसुयायग्रहवनसाः
 वर्य॥ ३१॥ विद्यालाहृदयिव॥ ॥ वर्यसूर्यवधश्चैवःदादृशहृगुमलुया॥ गयवर्यधन
 लाहाःमनुयकुनिसुम्यनि॥ ॥ वर्यमसुजादिसुववधवनायचानसादादगसुगनिश्च

नवगुक्कवनायचानसावर्ष१००धनलाहमदुग्गुर्नसस्यहिदयिव॥ ३२ ॥ चडुर्षडुगुन्चन्द
गमकजवर्षया४यक्कहागुगयवयसम्यहिगक्रनासर्न॥ ॥ चडुर्षसुवहस्यकिचडुवनांसादस
मसर्जगलवधवनसावर्ष१००सम्यहिदयगक्रनासहय॥ ॥ मकादगक्रथायायदिक्रधगु
हार्जवादगहागुगयवयसम्यहियूययोजकी॥ ॥ यायगहचकादगसवनसाःदिक्रधसःवृह
स्यनिवहस्यकिगुक्कवनसावर्ष११०कायक्ययानिमिहिनसयहिदयू॥ ३३ ॥ रुगियथगुन्नाम
सुफमचडुहार्जवायदुहहागुगयवयकन्यार्थवधर्नक्य॥ ॥ रुगीयसुवहस्यकिज्जगलवन
सासुफमसुचडुगुक्कवनसावर्ष११५कन्यायानिमिहिनधनलाहसुलाहदयिव॥ ३४ ॥ ल

मनुकवृक्षस्य च उर्ध्वगुणरूपमथाऽ। वीर्येहाशुभार्थवर्धनाकसुखसिद्धिमेव च ॥ ॥ लग्नसंशुक्रवन
सासकमसवृक्षचउर्ध्वसवृहस्यमिर्जगलवनसावर्ष्य१२०नाजयुग्मदनसुखसिद्धिदयिव ॥ ३३ ॥ ॐ नि
दाकमूलाहायिर्नः लिखाधायशुहरुलसमाफ ॥ ॥ ॐ नमः शीसूर्याय ॥ अथ जूलिष्टद्वय ॥ षष्ठं अ
ष्टजदात्रद्वयाय यद्वचसंशर्कानकदागुनशुक्रकमासमर्कनजीवनि ॥ ॥ अष्टमसुचद्ववनसाहनी
याय यद्वचसंशर्कयादवानसाः वृहस्यमिगुक्रकद्वसुमवानसाः मास१मृग ॥ ॥ अष्टमसुचद्वजद्वजद्वद्व
महानीरुचैर्गलग्नजीवनद्वधकः द्विवर्षवैवमृगद्व ॥ ॥ अगलः चद्वअष्टमसुवनसादगमसुग
निश्चनवनसालग्नसवृहस्यमिमवनसावर्ष्य२मृग ॥ २ ॥ ॥ ह्युगनीरुथाषष्ठः द्वादशकद्वर्गल

४।सकमथरुदाचाहःरुनीयवर्षमृशुदा॥ ॥बहुमसुशुकगनीधनवानसादादसुर्जगलवःकड
ववानसासकमसनाहवनसावर्ष३मृशु॥ ३॥कडनाहकथवचुःदादहानविमदया४।चउथी
वर्षयागनःमृशुनवनशीसया॥ ॥कडसःनाहचदवनसाःदादशसुआदियुअनिधनवनसा
वर्ष४मृशु॥ ४॥रुमसूर्यगथाकडुःजुमकूजवदया४।मानाहदियिनाहकियकवर्षमृशु
दा॥ ॥रुमसुआदियुकडुवानसाजुमसुर्जगलवदवनसाधमयामामववूनयिनधम
वर्ष४मृशु॥ ४॥नाहसुकगगाचददशमकडुगदुनि॥अयल्लनगनीगलाबसुवर्षनशीव
नी॥ ॥नाहचदसकमसवनसादशमसुकडुःदादशसुगनीधनवनसावर्ष३मृशु॥ ३

नवमश्चरुदाकडुद्विगीयनाद्वचदमा। व्ययल्लनगुर्नवेवसकवधमृच्छदा॥ ॥ नवमसक
उववसाद्विगीयसनाद्वचद्वनसादादगगवृहस्यगिवनसावर्ष० मृच्छ॥ १ ॥ नियुल्लनगु
कलामः मृच्छल्लनवृहस्यगि। जृष्टवर्षहवेमृच्छननागगनसंभय॥ ॥ षष्ठमसगुकर्जग
लजृष्टमसवृहस्यगिवानसावर्ष८ मृच्छ॥ ८ ॥ व्ययल्लनगदायायः संवत्सकालमृज्जायन
नवमश्चरुदावर्षः मृच्छनवमर्गस्य॥ ॥ द्वादशसुपाययहृक्कवानसाः गनियनसवनसा
वर्ष८ मृच्छ॥ ९ ॥ धनल्लनगदानाद्वमृच्छल्लनगनेशन। कर्कटलग्नशानस्यदगवर्षनिजी
वनी॥ ॥ द्विगीयसनाद्वचद्वनसाजृष्टमसगनेशनवनसाकर्कटलग्नसुशानहनसावर्ष१०
मृच्छ॥ १० ॥ नाद्वज्जनाद्वचद्वनियुल्लनवृहस्यगि। मकादगहवेवर्षमृच्छनवनर्गस्य॥

लग्नसः नाद्रवदुनायचानसावदस्यनिवानसावर्ष ११ मुख्यं सयममाल ॥ ११ ॥ गभीसुगल
नीयश्चवउर्थेहामदयाशहादसेश्चहववर्षमुख्यनवनसंशय ॥ ॥ रुनीयसुवूधचानसावउ
र्थसर्जंगलुगनिश्चनवानसावर्ष १२ मुख्य ॥ १२ ॥ अस्यरुमनीलग्नसः कंडुं दुश्चैवउचनुमाया
यग्रहसुमायूकं यथादशवर्षमुख्य ॥ ॥ लग्नसुगनीश्चनवानसाकदसुवदुयायग्रहसुशक
यादुचानसावर्ष १३ मुख्य ॥ १३ ॥ यायलग्नवल्लिश्चैवगुनलग्ननदृश्चकचउर्थेदशहववर्षमु
ख्यश्चैवनर्गसय ॥ ॥ यायाहलग्नसवल्लिंकयादचानसावदस्यनिनलग्नसमलनसा
वर्ष १४ मुख्य ॥ १४ ॥ लग्नसुगनीसामः कदुश्चयायसंरुनी ॥ यचदशहववर्षमुख्यनवनसुग

य॥ ॥ लग्नसंगनिश्चनं श्रीगणेशानसाकद्वसुयाययहवानसावर्ष ११ मुख्यं सयममाल
॥ १५ ॥ विषयकादका होमभेनकनवयक्रम। गुणगुणकनकद्वसु सजीववर्षयादका ॥
रुणीयसुषुप्तमसुकादका सुज्जगलवानसानवमसयक्रमसंगनिश्चनवानसाकद्वसु
हस्यनिगुणमवानसावर्ष १५ ॥ १६ ॥ स्वर्गुगुणश्रुदाजीवकीयाचद्ववर्षक। सुकादका हवव
धमसुगुणवर्षनगंसय ॥ ॥ स्वर्गुगुणसुवृहस्यनिवानसावर्षसुःकन्यसुवद्ववानसावर्ष १२
मुख्य ॥ १७ ॥ नियुक्तनश्रुदाचद्वधनसुनसुनी हववृ। अष्टादका हववर्षमुख्यनवनस
य॥ ॥ यष्टमसुवद्ववनसादिनियसंगनिश्चनवनसावर्ष १८ मुख्य ॥ १८ ॥ अग्नसु

नमो नित्यमस्य मनींद्रशुक्रा ४। मृत्पूनेवनसंसृथ ॥ ॥ लग्नसुनिश्चनर्जगलवानसास्यम
सुनाद्रशुक्रवानसावर्ष १९ मृत्पू ॥ १९ ॥ यायायायधनसुनेलुग्नरुकीयचदमा। वीशवर्षह
वचवमृत्पूनेवनसंसृथ ॥ ॥ याययहसुसंधनसुनेलुग्नसुचदवानसावर्ष २० मृ
त्पू ॥ २० ॥ लग्नधियनितुवनीनयुनूलग्ननदधन। नवमहामसूर्यकृष्कविंशतिमृत्पूदा
॥ ॥ नीचयदलग्नसुवानसावर्षस्यगिनीलग्नसमखनसानडामसुर्जगलज्जादिपुवा
नसावर्ष २१ मृत्पू ॥ २१ ॥ षष्ठहामगर्गवद्वयसुनेलुग्नसुनि। द्वावीशानितुवयारुममृत्पू
नेवनसंसृथ ॥ ॥ षट्सुर्जगलचद्वनसाद्वादशवृहस्यदिवनसावर्ष २२ मृत्पू ॥ २२

अर्ककृज न था च द अरु म लु न ग न रु था । गु न ल ग न द र्श न क र्था वि ष नि मृ लू द ॥ ॥ आ
दि ल अ ग ल व द ध न अ र म सु व न सा वृ ह स्य नि न ल ग म र व न सा व र्ष २३ मृ लू ॥ २३ ॥ स
पा र्म क र म द ना द शी व व य रु था । च द वि ष नि व ह या ग मृ लू न व न र्ग सु य ॥ २४ ॥ य व
म स र नि श्र वः क र व न सा अ र म स र्ग ग ल व न साः व र्ष २४ मृ लू ॥ २४ ॥ व र्ग गु क च द
र्य द र्म ल न वृ ह स्य नि । द वि ष नि व ह या ग मृ लू न व न र्ग सु य ॥ ॥ च र्थ स व र्ध
गु क व न सा न व म स वृ ह स्य नि व न सा व र्ष २६ मृ लू ॥ २६ ॥ न नू ल न क द म न्द द र्श म र्ग
दू जी व नि । स य वि स नि स मा य क मृ लू न व न र्ग सु य ॥ ॥ ल ग सः ग नि श्र व य न सा द

गमसनाइव वृहस्य निबोतसावर्ष २१ मृग्य ॥ २१ ॥ सकमश्च नदा कुलव्ययस्य न वृहस्य नि
ज्जुविगानिथा गुन मृग्य नवन गाय ॥ ॥ सकमस कुलग्रहवानसा द्वादशा सु वृहस्य निवा
नसावर्ष २८ मृग्य ॥ ॥ मृग्यस्य नशनी कडु विपूक ड वृचदुमा उन विंशति हववर्ष मृग्य नवन
गाय ॥ ॥ ज्जुमस गनिश्च नवानसा कडु चानसा विपूक ड सचदुवानसावर्ष २८ मृग्य ॥ २८
दशमश्च शुकलामलग्नस्य नशनी हवर्ष १ गुनवेवन कडु लिंगी गवर्ष मृग्य द्वा ॥ ॥ दश
मस शुकर्ज्जुमलग्नसालग्नसु चदुवनसावर्ष ३० मृग्य ॥ ३० ॥ व्ययस्य नन विहामनी च ड
ड गुनसुथा मकनी ग हववर्ष मृग्य चवन गी सय ॥ ॥ द्वादश जादिलु ज्जुमलग्नसाल

नीचकृपसवृहस्यनिवनसावर्ष ३१ मृग्य ॥ ३१ ॥ अष्टमश्च जदाचद्वषष्टकुलजदिवहृन्
 दार्ष्टिकानिहवयागममृग्यश्चैवनसंसृज ॥ ॥ अष्टमसुचद्ववनसावर्षसुकुल
 दवनसावर्ष ३२ मृग्य ॥ ३२ ॥ अथयल्लनगदाचद्व अष्टमयायसंरुनीरुनीगानिहवया
 गमउद्वनगार्गिकमृग्यदा ॥ ॥ द्वादशीसुचद्ववनसा अष्टमसुयायग्रहनवनसावर्ष ३३
 यननोगमृग्य ॥ ३३ ॥ नीचकृपगुनीचैवनवमकृमदया ४। चउगीगहववर्षमृग्यनवन
 शंसृज ॥ ॥ बृहस्यनिनीचकृपसुचानसानवमसुजगलगादिपुचानसावर्ष ३४ मृ
 ग्य ॥ ३४ ॥ नवयचगानीनाद्वययल्लनसुचद्वमार्यचनीगहववर्षमृग्यनवनसुसृज

ॐ

॥ नवमसूर्यचमसुभनिगननाद्रवनसादादशसुचद्वनसावर्ष३५मृच्छ॥३५॥ल
ग्नधियनिरुवनीचसुमयायसुशुनी।यगिगनिरुवयागममृच्छनवनगसुय॥ ॥
लग्नयाजुधियनिनीचशुनसायसुमसुयाययदसुशुकयादवानसावर्ष३६मृच्छ॥३६॥
सुफमर्कसुमेनाद्रदशमहागर्जवहथा।सुफगिगनिरुवयागममृच्छनवनगसुय॥ ॥सुफ
मसुआदित्यजुसुमसुनाद्रवानसादशमसुशुकवानसावर्ष३७॥वयसुनवूधरामव
धचद्वनसायचमसुवृहस्यनिशुकवानसाउनेनीगहववर्षमेरुमेवेवर्ष३८मिरवा
त्याकनमृच्छ॥३८॥जुर्कलोनीरथाचद्वसुमवेवगर्हमिउननीगहववर्षमृच्छवेव

नर्गस्य॥ ॥आदिश्रुगनिश्चनर्गंचद्वयसुसुवनसाःवर्ष३८मृ॥३८॥लग्नसुवन
वूधचदुसकमयायगच्छनि।चालिगवर्षया।गनमृ॥३८॥लग्नसुवनचदु
वनसासुफमसयायग्रहवनसावर्ष४०मृ॥४०॥शुक्रनद४४गलनःसहस्रसुवन
कृमकचालिगवर्ष४४मृ॥४४॥शुक्रनलग्नसुवनसासुनीयसुअगल
वनसावर्ष४५मृ॥४५॥चतुर्थशुक्रसुवनःकर्मकदुवयसुम।वचालिगहवर्षमृ॥
नवनर्गस्य॥ ॥चतुर्थसुशुक्रसुवनसासुमसुवनसावर्ष४२
मृ॥४२॥नादुसुगगगहामःदाद।गनविमदुया।चालिगहवर्षमृ॥

भीसय॥ ॥ जन्मसनाइ अंगलदाद ग सखादिय ग निश्च नवान सावर्ष ४२ मुख्य ॥ ४३ ॥ ल
गहने नजदानाइ द ग म ह म शुक्ला ४ चोवानि सु ह व व र्ष मुख्य नवन भीसय॥ ॥ लगनसना
इवनसादसु म सु अंगल शुक्ला चानसावर्ष ४४ मुख्य॥ ॥ नवमचक्रदाचद कुल धेव उ
संयुक्त॥ यं क चालि भव र्ष म मुख्य नवन भीसय॥ ॥ नवमसचद चानसा हुनीयाय हे येन
संयुक्तियाद चानसावर्ष ४५ मुख्य ॥ ४६ ॥ मद शुक्ला सुथानाइ व व म र्ष दि अ म च वृ लि गु ह
व व र्ष मुख्य नवन भीसय॥ ॥ ग निश्च न शुक्लाइ ध ग य ह व व म स र्ष न सु नी अ ह म स र्ष न सु
नीवानसावर्ष ४७ मुख्य ॥ ४८ ॥ यं के म अ ज द ह म न व म वृ ह म या ४ चो सार्थ व र्ष या गुन ४ मुख्य नवन भी

सुय॥ ॥यक्ष्मसुर्जगलवनसानवमसुवृधवचदववनसावर्ष४१मृ॥ ॥दगमसुर्जगलवनसानवमसुवृधवचदववनसावर्ष४१मृ॥
नाहकंदवचदमा४अथवालिभवर्षिष्टेमेनवनर्गसुय॥ ॥दगमसुर्गनिधननाहवचकंदवानसावर्ष
४८मृ॥४८॥मृ॥नगदाकुसुमवयसुनवृहस्यनि।उनवालिभवर्षिष्टेमेनवनर्गसुय॥ ॥अ
मसुपायग्रहवनसाहदगसुवृहस्यनिवनसावर्ष४९मृ॥४९॥नियुक्तनगदासूर्यदगमसुर्जगल
कथा४।यक्ष्मभवयथागुनमृ॥नवनर्गसुय॥ ॥यक्ष्मसुर्जगलवनसानवमसुवृधवचदववनसा
वर्ष५०मृ॥५०॥दगमसुर्जगलवनसानवमसुवृधवचदववनसावर्ष५१मृ॥५१॥उल्लुगनगदाहगमसुर्जगल
दगमसुवृहस्यनिधनवनसानवमसुवृधवचदववनसावर्ष५१मृ॥५१॥उल्लुगनगदाहगमसुर्जगल

वक्रवृद्धावावनवर्षयागुनमृग्युनवनर्गस्य॥ ॥उल्लग्नसुनाइवनसाकदसुगक्यहनायवानसावर्षपर
मृग्यु॥५२॥लग्नमर्कधनलोनीसुफमगुनरुग्नव॥॥यक्कगकवर्षसमृग्युनवनर्गस्य॥ ॥चकादशसु
गनिश्चनद्वादशसुग्नगलचदवनसावर्ष५३मृग्यु॥५३॥सुहृगुंक्रहामकर्मरुनेवृहस्यनि॥वीपक्काग
वर्षसमृग्युनवनर्गस्य॥ ॥रुनीयसुगुक्कःजुगलदगमसुवृहस्यनिवनसावर्ष५४मृग्यु॥५४॥लग्न
उक्रधनमददगमसुवृहस्यनि॥यक्कयक्कागवर्षसमृग्युनवनर्गस्य॥ ॥लग्नसुगुक्कःद्विनीयसुग
निश्चनवनसादगमसुवृहस्यनिवनसावर्ष५५मृग्यु॥५५॥गनीनाइहवचदद्विनीयवेवगकृनि॥
यक्कगकववर्षसमृग्युनवनर्गस्य॥ ॥गनिश्चननाइचदमाधुग्यहनायद्विनियसुवानसावर्ष५६

मृत् ॥ ॥ लग्नसुखनिहासककुशवनविस्तृतासाथयकाशवर्षमृत्कनवनसुसुथ ॥ ॥ लग्नसुख
 निश्चनर्जगलकाकुजादिशुद्धकयहनायवानसावर्ष १० मृत् ॥ ॥ नाइमदहवहामकाहानवययकुथ
 । अष्टयक्तशवर्षमृत्कनवनगंसुथ ॥ ॥ नाइगनिश्चनर्जगलधनयहसुफमसुदादशसुवानसावर्षयद
 मृत् ॥ ५८ ॥ नवमषुहवहामवृधसुसुमहवहानययकाशवर्षमृत्कनवनगंसुथ ॥ ॥ नवमसुर्जग
 नवृद्धवृहस्यनिनायवानसावर्ष १८ मृत् ॥ १८ ॥ जससुखनरुदासुर्यनवमनाइहागर्व। षष्टिवर्षहव
 येवमृत्कननगंसुथ ॥ ॥ जससुजादिशुवानसानवमसुनाइवानसावर्ष ६० मृत् ॥ ६० ॥ नवयय
 गकहामगनीवाइदिककुचमकगथीहववर्षमकगथीहववर्षमृत्कन ॥ ॥ नवयिव ॥ नगंसुथ ॥ ६१ ॥

ययस्तु नगनीनाइ नियस्तु नयुवदुमावयाथी हववर्थमृक्येवनगंसय॥ ॥ द्वादशमसनिश्चयना
इवनसावयमसवदुवनसावर्थ३२मृक्य॥ ३२ ॥ गुनस्तेवहवलनवकु (थीसा मशुकया ४ रुगथी चहव
वर्थमृक्येवनगंसय॥ ॥ लग्नसवदुस्यनिवकुर्थसवदुशुकवनसावर्थ३३मृक्य॥ ३३ ॥ म
कादशहवकीवकर्मस्तु नववगगी। वउगथी हववर्थमृक्येवनगंसय॥ ॥ चकादसगवदुस्य
निवनसादगमसववधववनसावर्थ३४मृक्य॥ ३४ ॥ लग्नवदुधनमदसकमगाइवदुधया ४ यक
सगथी हववर्थमृक्येवनगंसय॥ ॥ जत्तसवदुद्विनीयसगनिश्चयनसकमसनाइवदुधनायचा
नसावर्थ३५मृक्य॥ ३५ ॥ धनस्तु नवदुहामवकुर्थनाइमदया ४। रुगथी वर्थया लग्नमृक्ये
वनगंसय॥ ॥ द्विनीयसवधर्गलवनसावकुर्थसनाइग निश्चयनानसावर्थ३६मृक्य॥

व॥ ६६ ॥ व्ययल्लननीकडुननूळनवचदमा। सुयगथीरुववर्षमृफधेवननीसथ॥ ॥ द्वाद
हासुगनिश्चनकडुवानसाइत्तसवधवानसावर्ष६७स्वायिव॥ ६७ ॥ नविगणीगनिहामः इत्तल्लन
गनाहवन्। अल्लगथीरुववर्षेगिननागकमृफदा॥ ॥ इत्तसुआदित्यचदगनिश्चनअग्न
लवनसागीललूलागनवर्ष६८स्वायिव॥ ६८ ॥ कर्मल्लनइदामलीवधगुक्कनधगसी। ह
वर्षवधेवननामृफरुविष्यति॥ ॥ दशमसुआदित्यनिवधगुक्कचदवानसावर्ष७०स्वा
यिव॥ ७० ॥ दशमचइदसूर्यधर्मल्लनवृहस्यनिमकहएववर्षननामृफरुविष्यति॥ ॥
दशमसुआदित्यनवमसुवृहस्यनिवानसावर्ष७१स्वायिव॥ ७१ ॥ इत्तनविनधहामधनगनी

४ व्ययस्य न गुणवृद्धः। यो नो हृतवत्वं वर्धमुक्तं वनमस्ति यः॥ ॥ यक् न स्तु॥

॥ लघुसंज्ञादिषु जन्मलक्षणसाधिनीयसुब
 दस्यनिर्णयनिबल्लवानसावर्ष्य १२ चायिव ॥ १२ ॥ मधनाद्गुर्नैवषष्टम। रुद्ररुवर्षयागन
 मुख्यनवनर्णसुथ ॥ ॥ अनिश्चननाद्गुद्रस्यनिधस्वर्ग्यदषष्टमसंज्ञष्टमसुवनसावर्ष्य
 १३ चायिव ॥ १३ ॥ यक्षमयुग्मशीसामुंनिश्चनचन्द्रमाचानसाद्वादशसुद्रस्यनिचानसावर्ष्य
 १४ मुख्य ॥ १४ ॥ कन्दयेवगुर्निवेकर्मल्लनगणीवृद्ध। यक्षरुद्ररुववर्षमुख्यनवनर्णस
 थ ॥ ॥ कन्दसंज्ञकवृद्रस्यनिचानसादशमसुचन्द्रवधचानसावर्ष्य १५ चायिव ॥ १५ ॥ सुगल्ल
 नगुनूहामधर्मल्लनगनेश्चन। रुद्ररुववर्षयागनमुख्यनवनर्णसुथ ॥ ॥ यक्षमसुद्रस्य

निज्जगल्लवानसादगमसुगनिधनवानसावर्षण्डुम्वयिव॥ १३ ॥ नियुत्तनगुनमदुगायाह्यनरु
 गुवधसाथहृहृववर्षमुयूनवनर्गस्य॥ ॥ वदमसुवृहस्यनिधनवानसासुकमसगुज
 वृधनायवानसावर्षण्डुम्वयिव॥ ११ ॥ व्ययत्तनगवानादुआयत्तनगुनगणीआथहृहृववर्षमुयून
 नवनर्गस्य॥ ॥ द्वादशसनादुवानसाचकादशसुवृहस्यनिधनवानसावर्षण्डुम्वयिव॥ १८ ॥
 जडुधुगणीमदमुयुत्तनगुनकणीउनहृहृववर्षमुयूनवनर्गस्य॥ ॥ चडुधुसचडुगनि
 धनवानसावृद्धमसुवृहस्यनिज्जगल्लवानसावर्षण्डुम्वयिव॥ १८ ॥ गुननग्ननसयाफोणी
 मकादशसुथाशुकथेवकेनेदुसुआणीथविषडीवनि॥ ॥ लग्नसुवृहस्यनिवलवनयादवान

साधनिश्चयनकादशसुधानसाधुककन्दसुमवानसावर्षट्० म्वायिव॥ ८० ॥ लग्नस्थानगुनवदुक्तज्ञा
द्रवदुर्धकामिकजाभीहववर्षमृत्पूनवनर्गसय॥ ॥ अमसवृहस्यनिवदुधानसावदुर्धसम्
गलेनाद्रवानसावर्षट्१ म्वायिव॥ ८१ ॥ नवाभिस्तुजदावदुक्तदुशुकवृहस्यनिवयानासिरुववर्षमृ
त्युयेवनर्गसय॥ ॥ नवाभिस्तुजदावदुधानसावदुक्तदुशुकवृहस्यनिवयानसावर्षट्२ म्वायिव॥ ८२
प्रकटुं वृहवर्गीवद्विदुं वृधुक्तयाहाहलाभीचहववर्षमृत्पूनवनर्गसय॥ ॥ प्रथमदका
नसवृहस्यनिधानसाद्विनियदुकानसवृद्धशुकवानसावर्षट्३ म्वायिव॥ ८३ ॥ विदुं ज्ञानहवम
दनाद्रदादशगच्छनिजोनाभीचहववर्षमृत्पूनवनर्गसय॥ ॥ द्वितीयदुकानसुधनिश्चयनवान

साक्षादगं सनाइवानसावर्ष ८४ म्वायुव ॥ ८४ ॥ मन्त्रिगुक्कजदासुक्कचउर्थवृधचन्दया ४ यक्कनासिरुववर्ष
मृक्कनवनसंसुय ॥ ८५ ॥ सुक्कमश्चज्जामन्त्रीसुगल्लनवृधसुक्का ॥ द्यालासिरुववर्षमृक्कनवनसंसुय ॥
॥ ॥ सुक्कमसुवृहस्यनियक्कमसुवृधवनसावर्ष ८३ म्वायिव ॥ ८३ ॥ मृक्कल्लनगुन्नीवसुक्कवृध
मदया ४ सुक्कनासिरुववर्षमृक्कनवनसंसुय ॥ ॥ अशुमसुवृहस्यनियक्कमसुवृधगनिचनवा
नसावर्ष ८१ म्वायिव ॥ ८१ ॥ वम्मल्लनगुक्कल्लमसुगल्लननविवृधअथनासिरुववर्षनिनामृक्कल्ल
विषयनि ॥ ॥ नवमसुगुक्कज्जमल्लवनसावउर्थसुवृधज्जदियवानसावर्ष ८८ म्वायुव ॥ ८८ ॥
कनूल्लनगुन्नीवकम्मल्लनमूचदुमा ॥ उनअसिरुववर्षमृक्कनवनसंसुय ॥ ॥ लगेसुगुक्कवृ

हस्यनिवनसादशमसुचद्वनसावर्ष८८म्वायव॥८८॥सुकमसुर्जगलज्जसुसुवद्ववहस्यनिवनसा
वर्ष८०म्वायव॥८०॥लग्नजीवधनचद्वचउर्थवृधमनुया४मकांनवीरुववर्षमृत्तुचवनशीसथ
॥लग्नसुवहस्यनिद्विगियसुचद्वनसावर्ष८९म्वायव॥८९॥
वयस्यनरुवशुकआयाहामनविहृथा।द्वानवीवर्षयागुनननामृत्तुविष्यनि॥॥द्वदशशुकव
नसायकादशसुजादियुर्जगनवनसावर्ष८२म्वायव॥८२॥आयस्थानेगुरुशुकयकमेवृधचउ
यो४नूनवीवभवेवर्षमृत्तुटेवनशीसये॥॥यकादशसुवहस्यनिशुकवनसायकमसवृधन
द्ववनायवानसावर्ष८३म्वायव॥८३॥हामसूर्याथवानाद्वनिवागदियकमवीनवीचैरुवव

धर्मिण्यनेन वनं स्यात् ॥ अंगमलजादिरुनादूषणनिवृत्तधर्मगृह्यं च मसुवनसावर्ष २४ म्वायिव
॥ २४ ॥ नवयक्ष्मणिहामकन्दस्थाने वृहस्य नि। यक्ष्मनवीरुववधर्मिण्यनेन वरुविष्य नि ॥ ॥ नवम
सूर्यवमसुअंगमलवानसाकन्दसुवृहस्य नि। वानसावर्ष २५ म्वायिव ॥ २५ ॥ लम्भधियनिवल्लिखेव
वक्ष्मसूर्यवृहस्य नि। वृहस्य नि। वानवीरुववधर्मिण्यनेन वरुविष्य नि ॥ ॥ लम्भयाजधियनिअंगमलवल्लवकश
नसावक्ष्मसुअंगमलवानसावृहस्य नि। वनसावर्ष २६ म्वायिव ॥ २६ ॥ पुनरुक्तवृहस्य नि। वक्ष्मसुवृहस्य नि। वान
आ४। सूर्यनवीरुववधर्मिण्यनेन वरुविष्य नि ॥ ॥ जलसुवृहस्य नि। वृहस्य नि। वानसावृहस्य नि। वक्ष्मसुवृहस्य नि। वान
वनायवानसावर्ष २७ म्वायिव ॥ २७ ॥ नृनीयश्च विमदव्ययसुवृहस्य नि। वृहस्य नि। वानवीरुव

वर्षमृत्पुनवनर्थाय॥ ॥ रुक्मीयसुआदित्यगनिश्चनवनसा द्वादशवृहस्पतिवनसावर्ष ८८
स्वायिव॥ ८८ ॥ शुक्रतद्वर्षकवद्वगुनूषष्टाष्टमावैरुत्तननवीहववर्षनिनामृत्पुनर्थास्य॥
॥ ॥ शुक्रनवद्वखनसावृहस्पतिषष्ठमसुष्टमसवनसावर्ष ८८ स्वायिव॥ ८८ ॥ लग्नशु
क्रसहजीवनचमवृद्धमंगलानदावर्ष ४१ रुक्मीवेननाशानिनर्थास्य॥ ॥ लग्नसुशुक्रवउथ
सवृहस्पतिवनसानवमसुवृद्धमंगलवनसावर्ष १०० स्वायिव॥ १०० ॥ कर्दुगुनूषसामव
ष्टमसूर्याहामयाः चत्वारिंशत्तववर्षमृत्पुनवहविष्यति॥ ॥ कर्दुसवृहस्पतिस्तयमस
वद्वषष्टमसुगंगलवनसावर्ष १०९ स्वायिव॥ १०९ ॥ रुक्मीयश्चरुदाहामकर्दुशुक्रवृहस्पति

गङ्गादशवर्षसि मृत्पूतवनस्य ॥

॥ कृत्वा यज्ञं दत्तं सृष्टुं गङ्गा लवनसा कन्दसुशुक्रवृ

हस्य निवसा वर्ष ११२ म्वायुव ॥ १०२ ॥ धनस्तनमृदा जीवदशमसुशुक्रवृत्ता मया ॥ चोदहमकमय
वर्षनिनामृत्पूतवनस्य ॥

॥ द्विनियसुवहस्य निनसा दशमसुशुक्रवृत्ता लवनसा वर्ष ११३

म्वायुव ॥ १०३ ॥ दशमसुवृत्ता गुणमर्धवृद्धवैगङ्गी ॥ सानहमकमय वर्षमृत्पूतवनस्य ॥

॥ ॥ दशमसुवृत्ता निजादित्यवृद्धवन्दुवनसा वर्ष ११४ म्वायुव ॥ १०४ ॥ आयस्तनसुव

हस्य निवसा वर्ष ११५ म्वायुव ॥ १०५ ॥ द्विसुफलमृत्पूतवनस्य ॥

॥ ॥ दशमसुवृत्ता निजादित्यवृद्धवन्दुवनसा वर्ष ११६ म्वायुव ॥ १०६ ॥ आयस्तनसुव

हस्य निवसा वर्ष ११७ म्वायुव ॥ १०७ ॥ द्विसुफलमृत्पूतवनस्य ॥

आशा भक्ताक्षि
3754
ASHA ARCHIVES

द्वयाः वीसहात्रयं वर्षेन नामृकं न जीवति ॥

॥ द्वितीयसप्तकमस्तुलनसुवृहस्य निवनसात्रकादश

सप्तमिश्च न जीमलवनसावर्ष १२० स्थायिव ॥ १०३ ॥ ॐ निवासमूनहा विनायहवर्ष हंतुसमाक

॥ ॥ अथ नयालयजिलिष्यन ॥ वैश्वशुक्याः दुनिया नः उदयकृद्भिः सिरुल ॥ ॥ वैश्वकषुया

उदययादाकृद्भिः वृगद्भिः वनरुना ॥ १ ॥ वैश्वशुक्याः दयादा उदयसु ॥ हानगलया नः वलुश्चनया

न उदययुद्भिः सिरुल ॥ २ ॥ अथशुक्याः सिनिनत्वकः उदयसु ॥ ॥ अथशुक्याः हा ना हा ना या न

अथमिसु ॥ ॥ ३ ॥ आषाढशुक्याः सयनदादभी उदयसु ॥ ॥ आषाढशुक्याः वडुर्दभीसु

गष्टकन ॥ ४ ॥ आवनशुक्याः यूहीमासिककृगुलयद्विकन ॥ ॥ आवनशुक्याः अथर्मया

नः कथादधीस ॥ यथायान ॥ गमकगुयानः जमावाभीउदयस ॥ यद्विस्तिस्वद्वंद्वमनंशुयक ॥ ५ ॥ हाड
यदशुकयावाथ कद्वदअयलिमान ॥ ॥ गमकर्यवमिउदयसः मनविनायकाधर्मवगहन ॥ ॥
वष्टमीउदयसः महालक्ष्मीधर्मवगहन ॥ ॥ जयानयावनकिलिस्वायः एकादधीउदयस ॥ ॥ हा
दयदकषुयागमकगुलाकउदयस ॥ ॥ महालक्ष्मीधर्मअष्टमिलिदल ॥ नवमिउदयस अर्द्ध ॥ ६
अष्टमिगुक्रयायादाकद्वः नअनावस्वन ॥ ॥ यवमिमगुलउदयस ॥ यकमिमगुलवायअष्टमीअष्टस
॥ ॥ थंहुयाकाहुयाउदयस ॥ ॥ अष्टमिगुक्रयाकथादधीउदयस सुनिगयान ॥ ॥
यूहीमासिकद्वस्यगुयान ॥ ॥ जमावासिस अर्द्ध ॥ ॥ जनागमनंस्वायकार्हिकधर्मव

यउदयूद्विस्ति॥ ७ ॥ कार्त्तिकशुक्रयायादाशुष्टसुसुषनात्रि॥ कमदनाकंशुसुसु॥ ॥ यनीयाः व
कयक्कमधर्मधूनकनीरुथाजायावननाः नक्कि कार्त्तिकधर्मददयाभावरूयनउदययूद्विस्ति
॥ ॥ वदुमासुकधर्मदनशुष्टसु॥ नारुनेगकयादासु॥ ॥ वानाववदगुयावगीदुनूदकसा
धदिनयूरुल॥ उदयचवदगनंगक॥ ८ ॥ मार्गशिनशुक्रयामनचिन्नाधर्मशुष्टमिस्ति॥ नवमि
समूद्रप्रदुनूवदकसा॥ दूलूनधर्म॥ उदययूद्विस्तिशुष्टसु॥ वाकूथियूजायाय॥ ९ ॥ पायशुक्रयाय
मलहलादकवनशुष्टमिउदयसु॥ ॥ यूद्विस्तिउदयसु॥ मागिधर्मवय॥ १० ॥ माघशुक्रयाः
मिलायधर्मउदयसु॥ ॥ भीयक्कमिउदयसु॥ ० ॥ नरुनासुफमिउदयसु॥ ॥ शुभाचि

धर्मयुद्धिसिञ्जस ॥ ११ ॥ हल्लगुलकृष्णयायादाउदयसचक्रमयान ॥ यसाचवदगञ्जस ॥
दिनयादिनसंनानियाप्रिसंः सुनमदानहागकायालवघटिगुदरं उल्लमद्रुना ॥ घटिहि
१दरुदावचुनोउदय ॥ घटिहि १मदनदावमानलयममाला ॥ ० ॥ चयसूर्यउलासिसवनं
सुनोः वामगक ॥ चयशुकउलासिसवनसुनोः वामगक धनवास्यंजिमदाद्रुवसनउनिउमगयि
व ॥ ॥ ॐ निनयालयजिसमाक ॥ ॐ ॥ अथकानहनहाय ॥ निसादाहाहवयस्यः दिवाभीनक
जायक ॥ करुपूजिककस्थनस्यनृकृहविष्यनि ॥ ॥ नाप्रिसः दमसुवास्यं हयाः दिनसः चिक
खाद्रु कस्थः शयनोयिउलयुथधिवनागीमृकृहय ॥ १ ॥ अनिनायाकृयिहृकृयिहया नि

कदगुह। कदस्य कलमाशुनलेदेहकस्य जीवनी॥ ॥ वा न विरुया आयसवनाः यिह भूषया
आयसवनाः कलसयिलुलयवानटावधनागीमवायदल्लह॥ २ ॥ इदयककथानासायाधिया
यादोचणी कलीशिनसायाहवयस्य कस्य मृमृरुहविष्यनि॥ ॥ लूवउद्गासुलाः खादय
माउरुक्काठवानटावधनागीमृमृरुहय॥ ३ ॥ हुकानाशी कलीयस्यः रुकानाशग्निसग्निर
। महादाहाहवयस्य कस्य मृमृरुहविष्यनि॥ ॥ अमृहकालखादुहकालमीथीकाकः मृदह
दहक्षस्यवानटावधनागीमवाचकमजिना॥ ४ ॥ कनसदाहवयस्य मृविस्वासपवह
। अरुनादिजनावाहः सायिकानाविलाकिना॥ ॥ कनवयावः मृकयचननिहायाव

सुथसम्भसवहनयनाडिदलत्वनकस्यखादस्यअनावाहहनढवधनागीम्वाकमनोर्जि
॥ य ॥ श्रीगर्लयाशियादोचगागर्लनामिमलुर्ल ॥ सिनस्तथाहवयस्यनस्यमृत्पूरविष्य
नि ॥ ॥ लानाहिनाहिरादमाउरकाकाढाववानढावधनागीमृत्पूरपू ॥ ३ ॥ अन
धनिववशेवविष्णुनिनियदानिच ॥ आयदीनानयश्चनिचतुर्थमारूमलुर्ल ॥ ॥
॥ ॥ अनूधनिहवजिकाकुवनासागुमच्यन। कुवमधपदह्यनालकामारूमलु
र्ल ॥ ॥ यवमेद्रासुचामिसर्नगुडियादामनगनिधनखनमरुमढवसियू ॥ ६
जिकाकुपूरहवयस्यमुखकुनूदी ॥ ०० ॥ डियालकुसयस्यनस्यमृत्पूरविष्यनि ॥ ॥ ०० ॥
कीकुपूरहवयस्यमुखकुमानूदी ॥ ०० ॥ डियालकुसयस्यनस्यमृत्पूरविष्यनि ॥ ॥ ०० ॥

कं लुलीयस्य वा न आनवधने। आनादस्य नयस्य सर्वविधविनिश्चयिनि॥ नाहित। ५५॥
यैवा न न आहो लवधनेया न दावे अन्नयो कमे रनेटा वृद द्दिन द्दासि र्यु॥ ॥ अनना
गीया म हा कय रवान क क म जे क थं आ द यु ॐ दिदा क यां न रु म द य ध ना गी म्वा च क म जी व
॥ ८ ॥ क लुलीयि अ न य स्य वा न आ हा न व ध ने। आ हा ना द स्य न य स्यः सर्वविधविनिश्चयिनि
॥ ॥ नाहित स यि ल य वा न न आ हा न व ध ने या न दा वे अ न्न या क म ह न दा वः द द्दि न द्दा सि
यु॥ १० ॥ ध ना वि द्द स म न्ने व य नि मा च म दि न न॥ स क हा जा य न मृ य् काल ह न मृ हा यि ना
॥ ॥ नि स द न स ल ख दू नि थ रु न॥ ध ना य मा नं थ रु न डं स रु क ख न दा व द्द स दू न द्दा
मृ य् रु य् धा स्य काल ह न स द्दा य॥ ११ ॥ अ नी न ना य वि नि रु क नू य नं व वि ष नं। य हि

मास्येन सोयासिः यस्यि नैयमा लयः ॥ ॥ कननमयूर्यं गलीलविच्छद न्ययादव लदाव
यूनानं ह्यसियू ॥ १२ ॥ असुकायाधुवधुस्यवदनाश्वाससंरुर्गवर्नचयनिर्मा निर्यमासमक
नजीवनि ॥ ॥ याधुवधुयासामर्थहीनहस्यवैर्नचयैनिर्मा निर्यसात्रनयदनवलखीनहनदा
वलच्छिनह्यसियू ॥ १३ ॥ ॐ निका लहान अलिष्ट ॥ ॐ ॥ धनलेष्टलक्ष्महाय ॥ साम्यदृष्टि
हवयस्य ॥ शाकावका नथेवच ॥ गुठ ॥ किहवयस्य सायि साधनर्गस्य ॥ ॥ मिखा हिमालकी ॥
वहनाडिठठरुगालुहायावचनं गाककङ्कालज्यामविकालमरुगालज्यामविकालमरुग
नधनागीसाधुत्व ॥ १ ॥ यालियादोहवउर्धुः दाघस्वल्पगलस्मृगजिक्कामलमायाक्रिसनागी
नविनश्चनि ॥ ॥ ॐ लाः त्वमहया नवर्गमदमसानदास्यनायूधनागीमसिग ॥ २ ॥ नि

द्रामोम्यहवयस्यगनानुर्हसंनयः००द्विजानियसुत्रानिसुनागीनविनश्चिनि॥ ॥आद्रददागना
नमनलः००द्विससिमेनजिदवथथरुगानधनागीयमहक॥ ३ ॥स्यदहीनाकनयस्यनाशश्चास
प्रवहृक।क।००यिकरुहीनधसनागीनविनश्चिनि॥ ॥कनसःचननिहाविनमउः००सःकस
नवहनयः००सुषानक००सुपीजमदाधनागीमसिनि॥ ४ ॥चेनन्यसकल्यस्यःगधश्चासहृट्ट
वनाकलायनिनक००स्यःसुजीवनाशुर्गस्य०॥ ॥चननाजदिनगधस्वादवकलयरुगा
नक००सुधिवकलानवहनयनालधनागीम्यायर्गस्यममाल॥ ५ ॥नावनहेषरुवाक्कीःस्वत्य
यालयनंयूच॥००हिनेयाहवयस्यसुजीवनाशुर्गस्य०॥ ॥असनसःनाभवचनजल्पज

नलंघनमया कधनागीसियमरुतः सदहममाल् ॥ ३ ॥ अंगकन्या हवयस्य जन्ननय निशु
व्यमि। द्रदयदधुनयस्यः सायिकाल् विलाकिना ॥ ॥ धर्मलिष्टया नृणां कज्जलनयार्थं
कादवद्रदयसदुहयूधनागीकानना ॥ ७ ॥ संपूर्णवहनसूर्यसामंवेवनहध्वनायश्चा
नीजायनमृत्कालहानेपूराधिर्न ॥ ॥ संपूर्णसूर्यमलुलवद्रमलुलानाः एवधुव
नकाववानिहिनह्नासियू ॥ ८ ॥ ॐ किकालहानेशुहाशुहरुलसमाफ् ॥ ॐ ॥



ॐ नमः श्रीसूर्याय ॥ षट्काष्टकसमग्रदुसमस
 सुकचद्विद्वादशस्त्रविषमयदियर्षकदचदोदि
 सूर्यग्रहनभवदकिवान्यथा ॥ ॥ समसक
 द्विद्वादशषट्काष्टकधरुससूर्यग्रहनशगद ॥
 सुक्रानियालासिनैलग्नसगयावनाद्रघाठननार्य
 वानसासूर्यग्रहनदुजामावातिसूर्यघलितु ३० घ
 त्रिनिष्टिध्वयनियानिर्नसर्वशसूर्यककनिव ॥

॥ १ ॥ लग्नसुआदित्यद्वितीयसुनाइवनसाअमावासिस्वर्घलिइवनसुअंगुलिछि
१कनिव॥ २ ॥ लग्नसुआदित्यषष्ठसुनाइवनसाअमासिषुघनिइवनसुवावाकअंगु
निलिछिमदयककनिव॥ निर्द्वयावेणु॥ नाइयावर्णुवावाकअंगुलिछिमदयककनिउ॥ ना
इयावर्णुवावाकसभाजानसाकृषुवर्णुअदिककनसाकपिनवर्णुसुना॥ ३ ॥ अग्नसुआदि
त्यपेसेसुनाइवनसाअमावासिइसुघनिइवनसुवावाककनिव॥ ॥ लग्नसुआदि
त्यअष्टसुनाइवनसाअमावासिआघनिइवानसुवावाकअंगुनिछि१पानककनिव॥
॥ ४ ॥ लग्नसुआदित्यद्वादशसुनाइवनसाअमावासिजिमनघनिइवलसुअंगुलिछि१सु

वर्गसमस्त्यकं निव॥ ५



॥ निशीसूर्यग्रहनसमाक॥ ३ ॥ ४ ॥ ४ ॥
 ॐ नमः श्रीवदग्रहनसमाक॥ एकयगजानाहः ग्रहनविदसूर्यथा। नदा
 नृपसुहृन्नाहमीयसो निर्ग॥ समस्तकषटका कदि
 दादसधनसवदग्रहनथा गइ॥ ॥ पूर्वसिक्कयान
 रुद्रयालासिनवयालग्नसवदग्रनाहघाठननार्पवान
 सायद्विस्तृत्यनिसु ३० स्वयल्लिधयल्लियानिर्गस
 वर्गसमस्त्यनस्वर्गुलियालकं निव॥ १ ॥ लग्नस

वद्विनिगसनाहवनसायुक्तिशिष्यनिद्वेनसुअगुनिग्या१५ कनिव॥ २ ॥ लग्नसच
दयसमसनाहवनसायुक्तिसिद्धसघनिद्वेनसवाचाकअगुनिग्या१५ मदयकं कनि
व॥ ३ ॥ लग्नसचदसकमसनाहवनसायुक्तिसिग्याघनिद्वेनसवाचाककनिव॥
॥ ४ ॥ लग्नसचदअसमसनाहवनसायुक्तिशिष्यनिवाचाकनअगुलिग्या१५ यानकक
निव॥ ५ ॥ लग्नसचदद्वागनाहवनसायुक्तिसिगिमनघनिद्वेनसअगुलिग्यासर्व
यसमसयकं कनिव॥ ६ ॥ पूर्वनकनसायधिमनमाकुरुयिवः दक्षिणनकनसा॥ उह
ननमाकुरुयिव॥ यधिमनकनसा॥ पूर्वनमाकुरुयि॥ उह्नननकनसादक्षिणमाकुरुयि॥
ॐ निधीचदयहनसमाय॥ शुहं ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥

संक्रान्तिजिमयद्रुनलित्पय्यहनमद् ॥०॥ सम ॥ ॥ सयक ॥ षट् ॥ काष्टक ॥ द्वि ॥ द्वादश ॥



रश्मवतकृष्णययादगिपूर्वाक्षकृत्तृग ॥ माघशुक्रपूर्वमासिमर्धनगनाशुग ॥ वैशाखशुक्र
मीयासंभनवाहनशुग ॥ कार्तिकशुक्रनवमिअर्द्धनाशुक्रनिशुग ॥ ॥ रश्मिनिशुन्यनसम
हिकनदिक्षिपः वसनसंवत्कनधर्गुक्षिपः ॥ नदिचोयूगसंख्याः विगसहस्रकनानित्ख्या ॥
कृत्तृग २१६००० ॥ गुणधट ॥ कनाशुग २१६००० ॥ गुणध ॥ द्वाहनशुग २१६००० ॥ गुण
धन ॥ कनिशुग २१६००० ॥ गुणधन २ ॥ धर्गुगुनयानाअवडुशुगसंख्यासंय ॥ ॥

१५४ विवस्वत्तु वः विवनीशिविभवचः सन्वर्गनिर्णयः कनिका विविधयः ॥ ३८८९ ॥

धरुणनयानसुम्बुननगडाअकनिशगद्विकसव्यासय॥

ॐ ३ मान १ प्राप्ति १२ वाक ११
 वाह २ नृपि वः विपि वयदि सय रुना ॥

नूग ॥ श्री गुरु नाना वृक्ष ॥

१० वा ९ एधनं नदं किं न वा थ या व स कं कियार्शन स्वयदि न दसा स्य य ह ना ॥ १॥

५ वका	१ कवक नि	८ गुध	९ खन
----------	----------------	----------	---------

१ ४ २ ६ १० ३ ७ ९ ११ १२
रुमिवा न गहनं न गहनं सुदिगं वीक्षितं सांगना वद वसुभिर्वा दिग्धा घातव दुय कि लिना ॥

रुमिथिय क गुर्गुत्वा वान न रुद्र स रुता रुतय वद न रागं अ व च ड वि चानि न ॥

रुमिथि वान क न रुद्र ना मा रुद्र न समन्वी न न व हि थ रुत रागः शिष वाहन उ व न ॥

॥ ग र्द ह ॥ उ न ग ॥ रु सि ॥ म ख ॥ रु म्बू क ॥ क स नी ॥ का का ॥ म य न ॥ रु सा नी ॥ रु य रु दि न वा हा न ॥

॥ ग म धू ॥ ग न ॥ कि सि ॥ रु सि ॥ ध न ॥ सि ह ॥ का ख ॥ रु या ॥ रु स ॥

१ गङ्गमसुसिमोसमश्चसुगियामिजा निगुखानवनिष्ठागुहिसुलस्मिन्श्वगुहदागुखासमा
सिन्गुमा॥ जिवद्बुकनाकृत्स्यगुहदाहृनिसिगाकिंसुमे४ मित्रसूर्यसिगावृधस्यदिमगु४
सुक्रसमाचायन४ सूनसोमसिगावनविष्टुनामथायननान्यथाः सोस्याकिगुददासमकृत्गुनसो
नगुफस्यगुवावनगुकहागुहदासमसूनगुनसोनस्यचागुनयनकानवद्वदभयववृगह
जस्वाकषुमुष्टिगा॥ ॐॐॐ ॥ अगुल्यागुविज्ञानियात्॥ आनाष्टि१ दि१० निधि११४
१ गङ्गनिदिनसुदस्य॥ वाना २ ॥ ३ ॥ ११ ॥
१ वधमानिअगुनवि॥ ३ ॥ १॥ ८ ॥ १२ ॥ दधुना॥ नस॥

खदासुप्रिदशरुया ॥ ४ ॥ ८ ॥ १३ ॥ जमासिका ॥ जगुना ॥

यकनडाचडुदीश ५ ॥ ९ ॥ १४ ॥ चाना ॥ धननघनीन्याखस्य ॥

॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

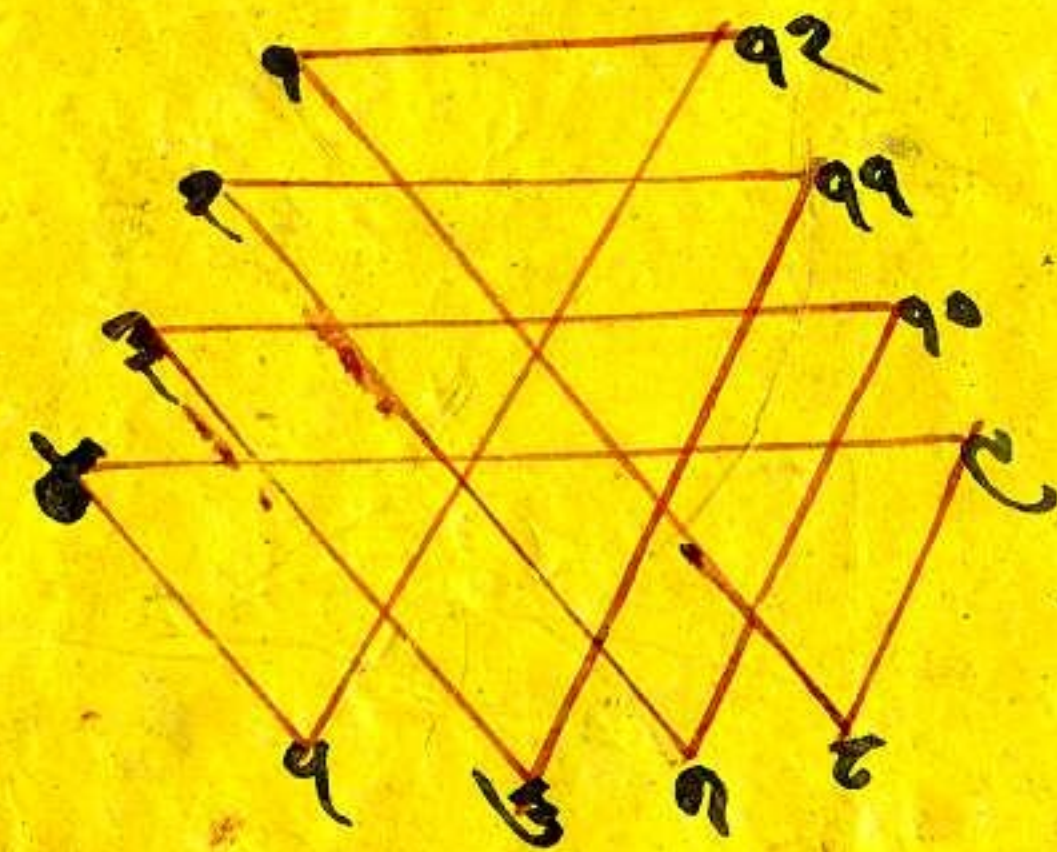
॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

रविगुणिनयादद्याद्यायाम्गुसमदिनचडुषष्टिहृत्तारागशुषदधुपनायनी ॥ ३३ ॥

रत्नसिंहाहायासय ॥ मनाहानसाधननाहहवखा ॥ कमलाहायागकनागरयूवय ॥ दाथा
लाहावयामानयभदवसुलाह ॥ अनामालाहावयाद ॥ खकसुसावगनायधनहानिरु
यून ॥ वानाहावयाधनहानिरुयून ॥ ॥ अयनीसदिकवाधनामहर्गनअन
नवातसासांकहकंषष्टिवीहाजिनंनर्दघनिकामकनादिनाकर्कनाविनिता ॥ ॥
रनखदाय २० गुर्विनिनामदायः किथियरुर्कसनसरुर्कनकनहिननदहागसखसुम्य
कुमानिविसमयूय ॥ ॥ रसनिशुकथमथनवार्थयादमववहानूयकादसुप्राका
सकयादवृहनिहामचंदसायाकावूधहयाप्रदसि ॥ धरुग्रहमनयायनागहूयकरुना

॥ ॥ अथ कात्यर्नहादय देवगुक् विवाहाकर्माणि गृह ॥ प्रणिष्ठाप्यासाद ४ यद्गृह
मर्माणि तान् लूनवदन्ति मूनिवसिद्धा ॥

सद्यनवक



ह
अ
न
उ
प
म
ध
प्र
अ
उ
प
म
अ

क

ग
म
ज
प
ष
ज
म
प
उ
ह
वि
ला
वि

अ

१ उकागवक ॥ कृत्तिकादिवाय अग्निमादिनवाय सूर्यसागमदिवायः
खनानेऽभयमान ॥ ॥ १ काटवानका सुकनास्यगु ८० २ थसुम्बा
कनननथुगुध ३ ननहृदहागनशुखनकाभावन ॥ १ सुकनाजव
व ८० २ थसुम्बा सुनननगुन ३ हागन सुषडगनथुठानेनन्यन
ठावसुषनेवर्षायाहृत् ॥ थयानवदसुगुम ३ हागन सुखसुदग
नद्वननेः सषनधानासिनहृषु उर्थकर्मरुना ॥

ਸੀ॥॥॥

ਲਗ

੧੩

੨

੧੦

੧੧

ਜੀ॥॥॥

੧੩ ੪

ਸੀ॥॥॥

੧੦

੧

ਵੀ॥॥ ੫

੧

੮॥

੮ ਵੀ॥॥

॥

੬

੧੧

੧੧

ਜੀ॥॥

१सिद्धि
१साध
१ससिद्धि
१जि

१यह्यादिस्तिनवनस्यहना

कु

वि	ह	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	ञ	ट	ठ	ड	ढ	ण	त	थ	द	ध	न	प	फ	ब	भ	म
वि	ह	ख	ग	घ	ङ	च	छ	ज	झ	ञ	ट	ठ	ड	ढ	ण	त	थ	द	ध	न	प	फ	ब	भ	म

१गगनवाय॥नद्रुवाय
नकागनचक॥

१	७२६	१६	विजलीन	३१	६५
२	विहव	१७	सलीक	३२	वि
३	७३	१८	नदक	३३	वि
४	७४	१९	पाथिन	३४	७५
५	७५	२०	वाय	३५	७६
६	७६	२१	सकडिन	३६	७७
७	७७	२२	सर्वभागी	३७	७८
८	७८	२३	विभागी	३८	७९
९	७९	२४	विकनि	३९	८०
१०	८०	२५	खन	४०	८१
११	८१	२६	नदन	४१	८२
१२	८२	२७	विकय	४२	८३
१३	८३	२८	कय	४३	८४
१४	८४	२९	मन्य	४४	८५
१५	८५	३०	हर्षख	४५	८६

उत्तरवर्गसदनिष्यअपुभुमीनेस
वाङ्गीमयकिस्वयवहभावा
सकडसिभनउनिमाभुन
८५॥५॥२॥भनसासुहिकर
०॥८॥नसाउउदआकभाज
सकनसाभुनरनकदहस॥
सुनरमाभानेउउसवभसने
भावाभरनसिमा॥

के न
 वे नम व
 क क
 आका क
 आ व न
 ना क व
 ना ए न
 ना गि सि न
 को म
 मा व
 को न

म ध
 मा ध व
 उ क निंदि
 उ वि
 न र
 न र
 न र
 न प स

रुगाद्या॥ धापनाद्याना
 कलसलेखनरागानेवाव
 स्थापनाद्यानागुजोवोविधका
 मीद्रुलायनकेनरलीमुचायमपु
 धुपयधकायकविवारुदास
 न्यालसपयाकमिद्रुकायक
 नरसुगकानन्याएहिनक॥ स्व
 सिवावका॥ न्यादि॥ सकना
 मीकायाक॥ मिकलुयवनेन
 वसपिलसविठनमकया
 म्याप्रयामधिविसवावक
 धिधदवद्यागकायकगुज्यागसकस्यानविय
 शेगगायारलिसमयागनवन्नानाविपदवद्या
 थकालिगधुनविनाकजवगिनमगाकनवि
 नपुगाकेभमिथकदकभममिवादस
 द्यवियशानयायमुखमुविधुगिसय

मप्याकेविधान

नोनमाभिरुवजसलाया॥ अतदमासनयासम
 पनायायगु॥ थकुपिन्याकविक्याससखायाचुना
 पारयनरकुसमुकाद्यागुमिद्रुथलज्वलाद्राकसे
 रुमु॥ ध्वनस्थापना॥ मचास॥ गुजमधुन॥ पंचगाथ
 सिद्रुगया॥ मरुनिरुय॥ मधुनधन॥ विभर्जनगिन
 माधि॥ कलभमगधमिगसप्याकन्यानमकग
 पुजा॥ दगा॥ धनरलिमुचानेवस्मदय॥ स्वसि
 कसम॥ गुगमधुनदनक॥ मगपुजा॥ रुमापनवि
 मर्जेन॥ धनजिजाधियाधन॥ नीत्ताजनवडगाचासग

ॐ

यानाग
नयोक
नाविधुयका
विवाहमास
मिमासायमप
वाहयाहा
कोयकु
नक॥स्व
दे॥सकना
लुयवर्गेन
कया
वाहवर्गे

सकगुहयानसकस्यागंवेयगहादककायमिहसुहाकंनकिं
मायागनेवहानाविपदवयागह्यायकसकस्यागंवेयचाकुपुमा
नकिजवगिनसगाकनविभर्जनसजानगयकमहनिह्यायवि
धकदकधममसिवादसमयावकविसर्जनहमिसदांभिस
यायमुखमुविधुगिसयाकविधिसमाप

म
सा
से
या
न
॥
सि
नवि
मम

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ वाधमधनकं विधिमाह ॥ श्रीचायगुजम
नभविभर्तुना ॥ समादि ॥ कलधमनधमर्षिपुजा ॥ दक्षपुजा ॥
गणपतिविज्ञाकि ॥ कृ ॥ १ ॥ श्रीलाक्षाकंसिद्धमुपगस्थमपना ॥ २
गिकाजीगणपिकापिगहया ॥ मुख्यगणिकजव १२ सादु १२ मग १
अकाच स्वयाल स्वस्यै दुकाय ॥ गुजमधुनद नक ॥ मग पुजा ॥
नवा एक ॥ ३ ॥ वदल स्वस्वाहा ॥ ४ ॥ दिवाक नभस्वनाय नमः ॥
यकागय ॥ ५ ॥ दिवाक नभस्वनाय वदल स्वस्वाहा ॥ ६ ॥
वदल स्वस्वाहा ॥ ७ ॥ मुयायवदल स्वस्वाहा ॥ ८ ॥
ॐ अमकयवदल स्वस्वाहा ॥ ९ ॥ ॐ अमकयवदल स्वस्वाहा ॥
१० ॥ ॐ अमकयवदल स्वस्वाहा ॥ ११ ॥ ॐ अमकयवदल स्वस्वाहा ॥
१२ ॥ ॐ अमकयवदल स्वस्वाहा ॥ १३ ॥ ॐ अमकयवदल स्वस्वाहा ॥

॥ लीचायगुजमधुनपंथर्जंयमिदृगयमहनिरुयमधुनविस्वकि
जा॥ दवयुजा॥ धनधममरसजगवधुन ॐ धसुयेसाया॥ धम
मगस्थमपना॥ धनवाधमगिपिगदयसादुदनेहाहायाया॥ गिसां
सादुदुपमगपदविद्य॥ पुजमयाय॥ अर्घविद्युनेवचंनमाया
क॥ मगपुजा॥ धीधर्जन॥ पंथर्जंयविद्य॥ धमयरायादधुधम्या
मिनायचधुधुविमस्तसर्ववीद्यानुसावस्वाहा॥ मधुनम्यानेदु
धुस्वाहा॥ लीचनायवदपुष्यप्रतिधुस्वाहा॥ ओअमदिन्याय
धुस्वाहा॥ ओअमसक्केत्यायनमा॥ ओअमनिनायनेमा॥ मध
मनायवदपुष्यप्रतिधुस्वाहा॥ धनिधुनायकनेपुष्यप्रति,
ओकगुष्यवर्जपुष्यप्रतिधुस्वाहा॥ ओअमदिन्यायवर्जपुष्य



















प्रथम १ - अष्टाविंश
द्वितीय - २ - अष्टाविंश
तृतीय - ३ - अष्टाविंश
चतुर्थ - ४ - अष्टाविंश
पञ्चम - ५ - अष्टाविंश
षष्ठ - ६ - अष्टाविंश
सप्तम - ७ - अष्टाविंश
अष्टम - ८ - अष्टाविंश
नवम - ९ - अष्टाविंश
दशम - १० - अष्टाविंश
एकादश - ११ - अष्टाविंश
द्वादश - १२ - अष्टाविंश
त्रयोदश - १३ - अष्टाविंश
चतुर्दश - १४ - अष्टाविंश
पञ्चादश - १५ - अष्टाविंश
षोडश - १६ - अष्टाविंश
सप्तदश - १७ - अष्टाविंश
अष्टादश - १८ - अष्टाविंश
उनविंश - १९ - अष्टाविंश
विंश - २० - अष्टाविंश
एकविंश - २१ - अष्टाविंश
द्वाविंश - २२ - अष्टाविंश
त्रयोविंश - २३ - अष्टाविंश
चतुर्विंश - २४ - अष्टाविंश
पञ्चाविंश - २५ - अष्टाविंश

षड्विंश
सप्तविंश
अष्टविंश
उनविंश
विंश
एकविंश
द्वाविंश